Mukesh Madhwani
9829243207
Founder: Business Circle India

दैनिक राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

पदमावत मीडिया

न रिश्वत लें, न रिश्वत देंगे
Reg. No. MH180326353

BCI BUSINESS CIRCLE INDIA

डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित

www.padmavatmedia.in
padmavatmedia@gmail.com

वर्ष: 11 • डिजिटल अंक : 165 • मुंबई, बुधवार 12 फरवरी-2025 • प्रधान सम्पादक: पवन जैन पदमावत • पृष्ठ : 04 • मूल्य : 000 • नि:शुल्क

खबर संक्षेप

आईस्टार्ट प्रोग्राम एवं इंटरनेट सेफ्टी डे मनाया

● पदमावत मीडिया

प्रतापगढ़। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वीरपुर प्रतापगढ़ में आई स्टार्ट प्रोग्राम एवं इंटरनेट सेफ्टी डे मनाया गया जिसमें जिला समन्वयक आईस्टार्ट प्रोग्राम रितेश बैरागी द्वारा आई स्टार्ट स्कूल प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी एवं इंटरनेट सेफ्टी व साइबर सिक्योरिटी के बारे में भी जानकारी दी। इस सेशन में स्कूल के 11 वीं व 12वीं के 50 बच्चे शामिल थे जिसमें साइबर फ्रॉड के बारे में बच्चों को जानकारी दी गई, रितेश बैरागी ने बताया की बच्चे अपना स्टार्टअप आइडिया कैसे शुरू करें एवं स्टार्टअप करने के फायदे व सरकार से होने वाले लाभ भी बताएं जिसमें राज स्डै एवं लॉन्चपैड के बारे में जानकारी दी।

सहायक सांख्यिकी अधिकारी (कृषि विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024

● पदमावत मीडिया

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 25 अगस्त 2024 को आयोजित सहायक सांख्यिकी अधिकारी (कृषि विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 में सफल रहे अभ्यर्थियों की मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा अंतर्गत पात्रता जांच हेतु विचारित सूची 2 दिसंबर 2024 को जारी की गई थी। इस सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन के बाद 14 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

खाद्य सुरक्षा योजना में पात्र परिवारों के नाम जोडने के लिए पोर्टल प्रारम्भ

● पदमावत मीडिया

डूंगरपुर। राजस्थान सरकार द्वारा 26 जनवरी 2025 से खाद्य सुरक्षा योजना के लिए पात्र परिवारों के नाम जोडने के लिए पोर्टल प्रारम्भ किया गया है। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि पात्र परिवार द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अपनी अपील ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन जमा करवाई जा रही हैं। आवेदन करने के लिए अपीलार्थी के रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त होता है। ओटीपी के आधार पर ही आवेदन सबमिट होता है। इसके लिए अपीलार्थी परिवार के सदस्यों की आधार सीडिंग आवश्यक है। आधार सीडिंग करने का विकल्प जिला रसद कार्यालय के साथ ही विकास अधिकारी पंचायत समितियां, आयुक्त, अधीशाषी अधिकारी, नगर निकाय के पास उपलब्ध हैं। जिले के खाद्य सुरक्षा योजना में आवेदन करने वाले समस्त उपभोक्ताओं से निवेदन है कि वे अपने क्षेत्र से संबंधित पंचायत समिति, नगर परिषद् एवं नगर पालिका सागवाड़ा में उपस्थित होकर आधार सीडिंग का कार्य करावें। जिला रसद कार्यालय में आधार सीडिंग के आवेदन अधिक संख्या में जमा हो गये है जिन्हें संबंधित पंचायत समिति में भिजवाया जा रहा है।

साक्षात्कार हेतु सफल अभ्यर्थियों को 25 फरवरी तक प्रस्तुत करना होगा विस्तृत आवेदन एवं वांछित दस्तावेज

● पदमावत मीडिया

अजमेर। सहायक आचार्य-फिजिक्स, कॉलेज शिक्षा विभाग, भर्ती वर्ष 2023 के पदों हेतु दिनांक 23 जनवरी 2025 को साक्षात्कार हेतु अस्थाई रूप से सफल 604 अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाईट से विस्तृत आवेदन पत्र (दो प्रतियों में), ऑनलाईन आवेदन की प्रति, विस्तृत आवेदन पत्र हेतु ऑनलाईन शुल्क की रसीद सहित आवेदन पत्र की समस्त प्रविष्टियां पूर्ण कर सम्बन्धित शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, जाति, मूल निवास एवं अन्य दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियां (एक प्रति में) संलग्न कर दिनांक 25 फरवरी 2025 तक आयोग कार्यालय में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने होंगे। उक्त दिनांक तक वांछित दस्तावेज आयोग कार्यालय में प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में पात्रता जांच के अभाव में अभ्यर्थिता रद्द कर दी जायेगी एवं साक्षात्कार हेतु विचारित नहीं किया जायेगा।

अवैध शराब तस्करी के विरूद्ध उदयपुर में खेरवाड़ा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब के 225 कार्टून कन्टेनर सहित जब्त, एक अभियुक्त गिरफ्तार

● पदमावत मीडिया

जयपुर । अवैध शराब की तस्करी के विरूद्ध उदयपुर जिले की खेरवाड़ा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर एक ट्रक कंटेनर से हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब के 225 कार्टून जब्त किये है। गिरफ्तार अभियुक्त नसरुदीन उर्फ वकील पुत्र हारुन खान निवासी मैंदापुर थाना फिरोजपुर जिला नूह हरियाणा प्लास्टिक के दानों की आड़ में अवैध शराब तस्करी कर अहमदाबाद ले जा रहा था। आरोपी 1200 किलोमीटर की दूरी तय कर लगभग गुजरात बॉर्डर तक पहुंच गया था, लेकिन सजग उदयपुर पुलिस ने धर लिया। उदयपुर पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल व सीओ राजीव राहर के सुपरविजन में एसएचओ दलपत सिंह राठौड मय टीम द्वारा

मुखबीर की सूचना पर नेशनल हाईवे 48 पर हरियाणा नंबर के एक कन्टेनर को रूकवाया गया। कन्टेनर चालक से नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम नजरूदीन उर्फ वकील निवासी नूह हरियाणा होना बता कण्टेनर में प्लास्टिक के दानों के कट्टे भरे होना बताया। संदिग्ध लगने पर चैक किया तो प्लास्टिक के कट्टे में प्लास्टिक के दाने भरे थे। जिनकी आड में अंग्रेजी शराब के कार्टून छुपाए हुये थे। जिनकी गिनती करने पर हरियाणा निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के कुल 225 कार्टून पाये गये।आबकारी अधिनियम का अपराध पाया जाने से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया व अवैध अंग्रेजी शराब व कन्टेनर को भी जब्त कर अग्रिम अनुसंधान जारी है। आरोपी अंग्रेजी शराब को पंजाब हरियाणा से गुजरात अहमदाबाद की तरफ ले जाया जा रहा था। जब्त शराब का बाजार मुल्य करीब 15 लाख रूपये एवं वाहन की कीमत करीब 55 लाख रूपये है। थाना पुलिस द्वारा पंजाब हरियाणा से करीब 1200 किमी पार कर चुके एवं गुजरात में प्रवेश से कुछ पहले ही करीब 70 लाख रूपये माल व ट्रक को आबकारी अधिनियम में जब्त किया गया। कार्रवाई करने वाली टीम में एसएचओ दलपत सिंह के साथ एएसआई राकेश मेहता, हेड कांस्टेबल राकेश, दानवीर सिंह, कांस्टेबल मनिंदर, भंवर सिंह व भरत शामिल थे।

जिला कलेक्टर ने किया दिव्यागों के लिए संचालित मॉडल संदर्भ केंद्र का निरीक्षण

● पदमावत मीडिया

प्रतापगढ़ । जिला कलेक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया ने मंगलवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, प्रतापगढ़ में दिव्यागों हेतु संचालित मॉडल संदर्भ केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दिव्यांग बच्चों के लिए उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न तकनीकों और उपकरणों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने दिव्यांग बच्चों हेतु उपयोगी उपकरणों की सराहना की और कहा कि इन संसाधनों से दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा में शामिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह केंद्र बच्चों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस केंद्र को और अधिक प्रभावी बनाया जाए ताकि अधिक से अधिक दिव्यांग बच्चे इसका लाभ उठा सकें। जिला कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक महेश चंद्र आमेटा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्लास्टिक के दानों की आड़ में अवैध शराब की सप्लाई

अहमदाबाद हाइवे पर कंटेनर जब्त, गुजरात लेकर जाते ड्राइवर को पकड़ा

● पदमावत मीडिया

उदयपुर । उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाइवे पर सोमवार रात को पुलिस ने एक कंटेनर में रखी अवैध शराब जब्त की। करीब 15 लाख लागत की शराब प्लास्टिक के दानों कट्टों की आड़ में रखी थी। खेरवाड़ा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अवैध शराब से भरे कंटेनर को जब्त किया। शराब गुजरात सप्लाई होनी थी। खेरवाड़ा थानाधिकारी दलपत सिंह ने बताया- बंजारिया से टोल प्लाजा के बीच एनएच 48 पर नाकाबंदी की। इस दौरान उदयपुर की ओर से आते एक कंटेनर को रोककर तलाशी ली गई। कंटेनर में प्लास्टिक के दानों से भरे कट्टो की आड़ में अवैध शराब के कार्टन पाए गए। पुलिस ने कंटेनर को खेरवाड़ा थाना परिसर लाकर शराब की गिनती की उसमें तो हरियाणा-पंजाब निर्मित अवैध शराब के 225 कार्टन पाए गए। थानाधिकारी ने बताया कि उक्त शराब की बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने अवैध शराब से भरे कंटेनर को जब्त कर कंटेनर चालक नूह हरियाणा निवासी नजरुद्दीन को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और पूछताछ कर रही है।

जैन मंदिर में घूमता दिखा लेपर्ड, पिंजरे में पास से गुजरा, ग्रामीणों में डर

● पदमावत मीडिया

उदयपुर । जिले के सायरा क्षेत्र में एक जैन मंदिर में लेपर्ड आया। यहां पास ही वन विभाग ने पिंजरा भी लगाया हुआ है लेकिन लेपर्ड उसके पास से मंदिर के चक्कर लगाकर चला गया। करीब 1300 की आबादी वाले गांव में लेपर्ड के मूवमेंट से डरे हुए है। गोगुंदा से करीब 45 और सायरा से करीब 11 किलोमीटर दूर भानपुरा गांव है। गांव के बीच में स्थित जैन मंदिर में सोमवार रात करीब 1:20 बजे एक लेपर्ड मंदिर के अंदर टहलता देखा गया। मंदिर के अंदर ही इधर-उधर गया घूमा और वापस वहां से निकल गया। मंदिर में लगे सीसीटीवी में भी लेपर्ड नजर आया है।

पिंजरे में नहीं रखा शिकार

पंचायत समिति सदस्य रविंद्र सिंह राणावत ने बताया- यहां लेपर्ड लगातार देखा जा रहा है। करीब 11 दिन पहले भी लेपर्ड का मूवमेंट रहा था। उसके बाद वन विभाग ने पिंजरा लगाया था। लेपर्ड को पकड़ने के लिए मंदिर के पास लगाए पिंजरा रखा गया है। उसमें कोई शिकार नहीं रखा गया है। इस कारण लेपर्ड पिंजरे में कैद नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि यहां पहले भी लेपर्ड ने पशुओं का शिकार किया लेकिन ग्रामीणों ने मौका पर्चा नहीं कराया इसलिए रिकॉर्ड पर नहीं है।

बाइक सवार दूध वाले से टकराकर जंगल भागा लेपर्ड

इससे पहले उदयपुर शहर में शिल्पग्राम के पास रविवार को एक लेपर्ड सड़क क्रॉस करते नजर आया। इस दौरान अचानक एक दूध वाला उससे टकरा गया। इस बीच लेपर्ड जंगल की तरफ भाग गया। रविवार रात करीब 7.50 से 7.55 के बीच का लेपर्ड का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दूधवाला शिल्पग्राम के मुख्य गेट से टाइगर हिल वाली रोड की तरफ जा रहा था। एकाएक शिल्पग्राम के अंदर वाले इलाके से लेपर्ड सड़क पर आया और दौड़ते हुए रोड क्रॉस कर वन विभाग के थूर मगरा की तरफ जा रहा था। इस बीच वहां से गुजर रहा दूधवाला एकाएक लेपर्ड से टकरा गया और सड़क पर गिर गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सलूम्बर में लिये मिठाईयों के सेम्पल

● पदमावत मीडिया

सलूम्बर । आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियत्रंण राजस्थान श्री एच. गुईटे के आदेशानुसार शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत जिला कलक्टर महोदय श्री अवधेष मीणा व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महेन्द्र कुमार परमार के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिहं सोलंकी के द्वारा मैसर्स श्री शारदा जोधपुर स्वीट्स प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया गया। मिठाई विक्रेता को साफ-सफाई रखने, खाद्य अनुज्ञापत्र प्रतिष्ठान में उचित स्थान पर प्रदर्शित करने, पेकिंग मटेरियल फुड ग्रेड श्रेणी का होने एवं मिठाई, नमकिन एवं अन्य खाद्य प्रदार्थो में उच्च गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री प्रयुक्त करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त प्रतिष्ठान से कुल 4 नमूनें रसगुल्लें, मलाई बर्फी, गाजर का हल्वा व रिफाइंड सोयाबीन तेल के लिये गए है उक्त नमूनों को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा जॉच रिर्पोट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। डॉ. महेन्द्र कुमार परमार ने बताया कि निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्यवाही सम्पूर्ण जिले में अनवरत रूप से जारी रहेगी तथा मिलावटियों के खिलाफ व खाद्य व्यापारीयों को दियें गयें निर्देशों की अवहेलना करने पर संबंधित के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

एसीईओ ने औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों का लिया जायजा

● पदमावत मीडिया

सलूंबर । जिले में महात्मा गांधी नरेगा योजना के औचक निरीक्षण के दौरान दो ग्राम विकास अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। सलूंबर के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीलेश कलाल ने सोमवार को सलूंबर जिले की दो पंचायत में नरेगा एवं विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। जिले के सराड़ा तहसील के ग्राम पंचायत कलात और नठारा में महात्मा गांधी एवं विकास कार्यों का औचक निरीक्षण के दौरान कई श्रमिकों के

अनुपस्थित रहने एवं ग्राम पंचायत कलात और नठारा में नरेगा कार्य स्थल पर औचक निरीक्षण के दौरान नठारा और कलात पंचायत में नरेगा के तहत चार निर्माण कार्य पर मस्टरोल में दर्ज श्रमिकों की संख्या 139 है और एन एम एम एस में उपस्थित श्रमिक 105 है लेकिन लेकिन मौके पर 57 मजदूर कार्य कर रहे थे। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने राजकार्य के प्रति उदासीनता और पर्यवेक्षणीय लापरवाही के कारण नरेगा एक्ट कि धारा 25 के तहत ग्राम पंचायत कलात और नठारा के ग्राम विकास अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इस दौरान उन्होंने संपर्क सड़क, पुलिया निर्माण, साइडवाल इत्यादि कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अंत्योदय फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने राउमावि लखावली में विद्यार्थियों को दिए उपहार

● पदमावत मीडिया

उदयपुर। शिक्षा के क्षेत्र में सतत सेवाएं प्रदान करते हुए विद्यार्थियों के लिए प्रतिबद्ध अंत्योदय फाउंडेशन, मुंबई के ट्रस्टी सीए संजय बोरदिया व रीना बोरदिया ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखावली के विद्यार्थियों को विभिन्न उपहार प्रदान किये। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती मंजू परिहार ने बताया कि सभी बालक बालिकाएँ अल्प आय वर्ग से आते हैं। संस्था की ओर से सभी को नहाने का साबुन, बिस्किट पैकेट, खिलौने, स्टेशनरी आईटम, मौजे व कपड़े प्रदान किये। उपहार पाकर बालक बालिकाओं के चेहरे खिल उठे। मुंबई स्थित अंत्योदय फाऊंडेशन, राजस्थान के बच्चों के मध्य पिछले 6 सालों से सक्रिय रूप से काम कर रहा हैं। ट्रस्टी रीना व संजय बोरदिया, दोनों ही पेशे से चार्टर्ड अकाऊन्टेन्ट हैं व मुंबई में रहते हैं। अंत्योदय फ़ाऊंडेशन के संस्थापक राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव मीठालाल मेहता के छोटे भाई महेन्द्र मेहता हैं। निर्धन बालकों को शिक्षा के क्षेत्र में हर संभव सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में फ़ाऊंडेशन दत्तचित्त होकर लगा हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ विशेष जागरूकता अभियान

जनता की सजगता से होगा सुशासन और पारदर्शिता का विस्तार-महानिदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक

● पदमावत मीडिया

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आमजन को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता की सजगता से न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, बल्कि राजकीय कार्यों में पारदर्शिता और सुशासन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

विशेष प्रचार-प्रसार अभियान

महानिदेशक पुलिस, एसीबी ने जानकारी दी कि एसीबी ने 11 फरवरी को प्रदेशव्यापी विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य जनता को भ्रष्टाचार के खिलाफ सजग बनाना और राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति

को सुचारू रूप से लागू करना है। उन्होंने बताया किया इस अभियान के तहत एसीबी की सभी यूनिट्स द्वारा विभिन्न सरकारी, अर्ध-सरकारी और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता गतिविधियों का संचालन किया ।

जागरूकता पोस्टर और संवाद कार्यक्रम

एसीबी की सभी यूनिट्स ने अपने-अपने क्षेत्रों में कलेक्टर कार्यालय, स्थानीय निकाय, निगम कार्यालय, पुलिस कार्यालय, ई-मित्र केंद्र सहित अन्य ऐसे स्थान चिन्हित किए जहाँ आमजन की अधिक संख्या में उपस्थिति रहती है। इन स्थानों पर जागरूकता पोस्टर चस्पा किए गए और कार्यालय कर्मचारियों एवं आम नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हेल्पलाइनन 1064 का व्यापक प्रचार-प्रसार

महानिदेशक एसीबी ने बताया कि अभियान के दौरान एसीबी के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1064 और व्हाट्सएप नंबर 94135-02834 को प्रमुखता से प्रचारित किया गया। इन नंबरों को पोस्टर्स पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया गया ताकि आमजन आसानी से संपर्क कर सकें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया गया है कि पोस्टर्स आमजन द्वारा सुगमता से देखे और पढ़े जा सकें।

एसीबी की अपील: भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे एसीबी के हेल्पलाइन नंबर 1064 और व्हाट्सएप नंबर 94135-02834 पर 24×7 संपर्क करें और भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायतें दर्ज कराएँ। एसीबी आपकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करेगी और आपके वैध कार्यों को सुगमता से करवाने में मदद करेगी।

www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com @padmavatmedia

सायबर सुरक्षा अभियान सेफ क्लिक को प्रदेशभर में मिली जबरदस्त सफलता

आज साइबर मेले के साथ हुआ समापन, 1 से 11 फरवरी तक चला अभियान

● पदमावत मीडिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुसार मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 01 फरवरी से 11 फरवरी 2025 तक साइबर सेफ क्लिक इंटरनेट डे के अंतर्गत एक राज्य व्यापी और प्रभावशाली अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का शुभारंभ 01 फरवरी को पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने किया था। इस 11 दिवसीय साइबर सुरक्षा जन जागरूकता अभियान सेफ क्लिक को प्रदेशभर में जबरदस्त समर्थन मिला। इस अभियान का उद्देश्य डिजिटल युग में नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देना है। इस अभियान में एक फरवरी से 11 फरवरी तक सुरक्षित क्लिक-सुरक्षित जीवन थीम पर सर्वव्यापी जागरूकता अभियान पूरे प्रदेश में संचलित किया गया। अभियान में नुक्कड़ नाटक, क्विज प्रतियोगिताएँ, जनसंवाद, साइबर सुरक्षा कार्यशालाएँ और जागरूकता रैलियाँ आयोजित की गई, जिनमें लाखों विद्यार्थियों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, किसानों एवं व्यापारियों को जागरूक किया गया। साइबर अपराध जैसे फिशिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग फ्रॉड और डिजिटल पेमेंट से जुड़े सुरक्षा उपायों पर भी विशेष जोर दिया गया। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने अभियान को सफल एवं और अधिक प्रभावी बनाने हेतु आम नागरिकों से इस अभियान में अधिकाधिक भाग लेने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए समाज के हर वर्ग को डिजिटल जागरूक रहने की आवश्यकता है। व्यापक जनजागृति के लिए प्रचार-प्रसार के सभी आधुनिक संसाधनों का किया भरपूर उपयोग साइबर सुरक्षा को लेकर नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने हेतु व्यापक जनजागृति अभियान चलाया गया, जिसमें आधुनिक प्रचार-प्रसार के संसाधनों का भरपूर उपयोग किया गया। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर इसका प्रभावशाली प्रचार था। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, एफएम रेडियो और यूट्यूब जैसे प्रमुख डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए विशेष सामग्री पोस्ट की गई। इन पोस्ट्स में इन्फोग्राफिक्स, वीडियो, ऑडियो, लाइव सेशंस, साइबर सुरक्षा डॉक्यूमेंट्री, वेबिनार, लाइव सेमिनार, पॉडकास्ट और शॉर्ट फिल्मों को शामिल किया गया। अभियान के तहत विशेष हैशटैग कैंपेन चलाया गया, जिसने लाखों डिजिटल उपभोक्ताओं तक पहुँच बनाई। इस प्रयास के माध्यम से युवाओं और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को साइबर खतरों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई और उन्हें डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान में रियल-टाइम अपडेट्स और इंटरएक्टिव सेशंस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेषज्ञों द्वारा लाइव वेबिनार आयोजित किए गए, जिसमें साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों और डिजिटल विशेषज्ञों ने साइबर अपराधों से बचने के उपायों पर मार्गदर्शन दिया। सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्रों के सहयोग से चलाए गए इस अभियान को व्यापक समर्थन मिला। आम नागरिकों ने भी

सोशल मीडिया पोस्ट्स और शेयरिंग के माध्यम से इस पहल को आगे बढ़ाया, जिससे जागरूकता अभियान और अधिक प्रभावी बना।

राज्यभर में जोरदार व्यापक प्रचार एवं सहभागिता इस अभियान के तहत सभी जिलों में पुलिस अधिकारियों, साइबर विशेषज्ञों एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता से चित्रकला प्रतियोगिताएं, हैकाथॉन, नुक्कड़ नाटक, साइबर क्विज, साइबर मेले, जन संवाद सत्र कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैंकों, आंगनवाड़ियों, स्कूलों, कॉलेजों, और ग्राम पंचायतों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। कन्या विवाह सम्मेलनों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई गई। भागवत कथाओं और धार्मिक आयोजनों में भी साइबर सुरक्षा का संदेश दिया गया। मदरसे में विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों और शिक्षकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इसी प्रकार जन जागरूकता हेतु देश में सर्वथा पहली बार पुलिस अधिकारियों द्वारा रचे गए सायबर दोहों के माध्यम से सायबर सुरक्षा हेतु जन जन तक क्या करें एवं क्या न करें की जानकारी दी गई साथ ही इंटरनेट सुरक्षा हेतु एक लघु फ़िल्म शोर बुलाए चोर का निर्माण कर आम जन को सतर्क रहने की सलाह दी गई ।

ग्रामीण क्षेत्रों में साइबर सुरक्षा पर विशेष फोकस

अभियान में ग्रामीण क्षेत्रों को विशेष रूप से लक्षित किया गया। किसानों और ग्रामीण व्यापारियों को साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई, विशेष रूप से किसान क्रेडिट कार्ड, सरकारी योजनाओं एवं मंडियों में होने वाले ई-ट्रांजेक्शन से जुड़ी सावधानियाँ बरतने पर जोर दिया गया। पंचायत स्तर पर विशेष जागरूकता शिविरों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, ताकि ग्रामीणों को डिजिटल सुरक्षा संबंधी बुनियादी जानकारी प्रदान की जा सके।

विभिन्न जिलों के इंजीनियरिंग कॉलेज में किया गया हैकाथॉन प्रतियोगिता का आयोजन

अभियान के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों के इंजीनियरिंग कॉलेजों में विशेष हैकाथॉन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। हैकाथॉन प्रतियोगिता में कॉलेज के स्टूडेंट के ग्रुप बनाकर इन छात्रों ने पुलिस द्वारा दिये गये अलग-अलग विषय पर तैयार किये गये प्रोजेक्ट को पुलिस की उपस्थित में साइबर एक्सपर्ट के समक्ष लाइव प्रदर्शन के माध्यम से प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे डिजिटल उपकरण या टूल्स विकसित करना है जो पुलिस की कार्यकुशलता को बढ़ाएं और अपराध का पता लगाने में सहायता करें। स्टूडेंट द्वारा तैयार किये गये हैकथॉन प्रतियोगिता के तीन अच्छे प्रोजेक्ट को स्टेट लेवल पर प्रस्तुत किया जाएगा।

समापन कार्यक्रम एवं साइबर मेले का आयोजन

अभियान का समापन प्रदेशभर में भव्य साइबर सुरक्षा मेलों के आयोजन के साथ किया गया, जिसमें नागरिकों, विशेषकर युवाओं को इंटरनेट सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इन मेलों का आयोजन कॉलेज परिसरों, सार्वजनिक स्थलों या मेले के ग्राउंड में किया गया, जहाँ स्कूल-कॉलेज, व्यावसायिक संस्थान, बैंक, एनजीओ और अन्य संगठनों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रयासों का प्रदर्शन किया। साइबर विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक साइबर अपराधों और उनसे बचाव के तरीकों पर व्याख्यान दिए गए, साथ ही पोस्टर प्रदर्शनी, लाइव डेमो सत्र, क्विज प्रतियोगिताएँ और थीम आधारित फन गेम्स का आयोजन भी किया, जिससे नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सके।

साइबर संकल्प शपथ समारोह

समापन कार्यक्रम के तहत साइबर संकल्प शपथ समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की शपथ दिलाई गई। इसके तहत लोगों को साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करने, निजी जानकारी साझा करने में सतर्कता बरतने और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव हेतु जागरूक रहने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। इस व्यापक अभियान के दौरान नागरिकों ने साइबर शपथ प्रमाण पत्र डाउनलोड कर यह संकल्प लिया कि वे डिजिटल दुनिया में सतर्क और सुरक्षित रहेंगे।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि

दीनदयाल जी के विचार और सिद्धांत देशवासियों को सदैव जनसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे:उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

● पदमावत मीडिया

जयपुर । पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 57वीं पुण्यतिथि पर धानक्या स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति द्वारा प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राष्ट्रीय स्मारक पहुँचकर दीनदयाल जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और राष्ट्रसेवा एवं समर्पण के प्रतीक, एकात्म मानववाद के प्रणेता को नमन करते हुए कहा कि उनके आदर्श हमारे लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी एक गम्भीर दार्शनिक एवं गहन चिंतक होने के साथ-साथ एक ऐसे समर्पित संगठनकर्ता और नेता थे जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत शुचिता एवं गरिमा के उच्चतम आयाम स्थापित किये। दिया कुमारी ने कहा कि श्रद्धेय दीनदयाल जी ने अपने विचारों से भारतीय राजनीति में

उच्च आदर्श स्थापित किए और हमेशा मातृभाषा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि माना। उनकी आर्थिक नीतियों ने हमेशा गरीबों की भलाई पर जोर देने की बात की है और उनके विचार में पंक्ति के अंतिम पड़ाव पर खड़ा व्यक्ति शामिल रहा है। दीनदयाल जी के अंत्योदय के विचार से प्रेरित होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अंत्योदय के रास्ते पर अग्रसर हैं तथा गरीब, ग्रामीण, किसानों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए अग्रसर हैं। उनकी प्रेरणा से डबल इंजन सरकार ÷विकसित राजस्थान - विकसित भारत÷ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल जी शर्मा, उपमुख्यमंत्री श्री प्रेमचंद जी बैरवा, समिति अध्यक्ष श्री मोहन लाल जी छीपा, सचिव प्रताप भानु सिंह जी शेखावत, विधायकगण, विचार परिवार के गणमान्य सदस्यगण एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

बेणेश्वर मेले में वालीबॉल, रस्साकसी, मटका दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

● पदमावत मीडिया

डूंगरपुर । बेणेश्वर मेले में राजस्थान सरकार जिला प्रशासन डूंगरपुर, जनजाति क्षेत्रीय विभाग एवं खेल विभाग डूंगरपुर के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को पुरुष वर्ग में वालीबॉल प्रतियोगिता आयोजित हुई । साथ ही रस्साकसी एवं महिला वर्ग में मटका दौड़ भी आयोजित की गई। जिला खेल अधिकारी नरेश डामोर ने बताया की वालीबॉल प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में 20 टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षक अरविन्द डामोर, सोमेश्वर भागोरा, रमेशचंद्र रोत, जीवराम डामोर, गजेंद्र साद, महेश जोशी, नरेंद्र टेलर, देवीलाल डामोर, मरताराम ननोमा, राजेंद्र टावड़, जंयतीलाल ननोमा, नानूराम डिडोर एवं अन्य खेल प्रेमी मौजूद रहे तथा खेलों के सफल संपादन में सहयोग प्रदान किया। ये रहें परिणाम जिला खेल अधिकारी ने बताया कि वालीबॉल में पुरुष वर्ग में भागोरा फला भरतपुर विजेता तथा उप विजेता भेड़माता 1 रही। मटका दौड़ में महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लिया । इसमें प्रथम स्थान नर्वदा परमार , द्वितीय स्थान मनीषा अहारी, तीसरा स्थान जयश्री तथा चौथा स्थान शिवानी मीणा एवं रस्साकस्सी में महिला वर्ग में डूंगरपुर विजेता एवं उप विजेता लेम्बाता टीम रही। पुरुष रस्साकसी में आर ए सी डूंगरपुर विजेता एवं उप विजेता फायर बिग्रेड सागवाड़ा टीम रही । इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी एवं मेला अधिकारी एवं अन्य कार्मिक मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंत्योदय का लक्ष्य हो रहा पूरा

एक वर्ष में ही 24 हजार स्कूटियों और 88 हजार टैबलेट का वितरण, गौशालाओं को मिली 1148 करोड़ रुपए की सहायता

● पदमावत मीडिया

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सर्वांगीण विकास कर रहा है। केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार का सीधा फायदा हर आम आदमी को मिल रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता, महिला के साथ-साथ समस्त वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कृत संकल्पित है। गत सरकार के अंतिम वर्ष में 4232 स्कूटी वितरण हुई, जबकि वर्तमान सरकार के प्रथम वर्ष में ही 24 हजार 517 स्कूटियों का वितरण किया गया है। ऐसे ही 88 हजार 800 टेबलेट का वितरण किया है। इसी प्रकार प्रथम वर्ष में 28 हजार 884 सोलर पम्प की स्थापना की गई। सरकार ने एक वर्ष में नहरी तंत्र के माध्यम से 22 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई। गत सरकार के अंतिम वर्ष में यह आंकड़ा 12 हजार 492 रहा। सरकार ने एक वर्ष में गौशालाओं को 1148 करोड़ रूपये की सहायता दी, जबकि गत सरकार ने अंतिम वर्ष में गौशालाओं को 733 करोड़ रूपये की ही सहायता दी। स्वास्थ्य बीमा योजना का दायरा बढ़ाते हुए कैंसर जैसी गम्भीर

बीमारियों एवं शिशुओं के पैकेज आदि को सम्मिलित कर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (माँ योजना) लागू की गई। इसी प्रकार पशुधन बीमा में छोटे पशु भी शामिल करते हुए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना लागू की गई है। इसी तरह से ईआरसीपी को परियोजना का दायरा बढ़ाते हुए 'रामजल सेतु लिंक परियोजना' के रूप में धरातल पर क्रियान्वित करने का संकल्प लिया है। नवनेरा बैराज के अधूरे काम को पूरा कर माननीय प्रधानमंत्री के कर कमलों से लोकार्पण हुआ है। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में ही जयपुर में आयोजित ÷रामसेतु जल संकल्प कलश कार्यक्रम÷ में एमओए एक्सचेंज किया गया है। पूर्व प्रस्तावित 3510 एमसीएम को बढ़ाकर 4102 एमसीएम जल प्राप्त करने का समझौता किया है। यह परियोजना भारत सरकार की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना का हिस्सा है। इस परियाजना के क्रियान्वयन हेतु 9 हजार 416 करोड़ रूपये के कार्यादेश जारी कर काम प्रारंभ कर दिया है। साथ ही, योजना को और आगे बढ़ाते हुए 12 हजार 64 करोड़ रूपये के 5 अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की निविदाएं जारी कर दी गई हैं। ऐसे ही राज्यों को पूंजीगत निवेश के लिए उपलब्ध कराई जा रही सहायता तथा ऊर्जा क्षेत्र में सुधार के लिए दिये गये अतिरिक्त ऋण का महत्व है। पन्द्रहवें वित्त आयोग के तहत केन्द्र सरकार द्वारा आगामी वर्ष भी इन प्रावधानों को सहमति प्रदान की गई है। इन प्रावधानों के तहत राज्य को 18 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि प्राप्त होगी। केन्द्रीय करों में राज्य की हिस्सा राशि को भी 75 हजार 156 करोड़ रूपये में 14 प्रतिशत से अधिक वृद्धि करते हुए वर्ष 2025-26 के लिए 85 हजार 716 करोड़ रूपये कर दिया गया है। इधर 77 लाख से अधिक अन्नदाताओं, किसानों के लिए केसीसी की सीमा को 3 लाख से बढाकर 5 लाख किया गया है।

एमएसपी 2425 रूपए प्रति क्विंटल, 125 रूपए राज्य सरकार देगी बोनस

● पदमावत मीडिया

बांसवाड़ा। रबी वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया 01 जनवरी-2025 से प्रारंभ हो चुकी है। इस वर्ष भी 10 मार्च से गेहूं की सरकारी खरीद शुरू कर दी जाएगी। मण्डल कार्यालय, उदयपुर, भारतीय खाद्य निगम के अधीनस्थ राजस्व जिला राजसमंद, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, बांसवाड़ा, सिरोही, डूंगरपुर एवं प्रतापगढ़ में कुल 26 खरीद केन्द्र संचालित किये जाएंगे, जिनसे समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद का कुल लक्ष्य लगभग 22710 टन निर्धारित किया गया है। इस हेतु निगम द्वारा राजसमंद जिले में मदारा, कुरज, कांकरोली व राज्यवास, चित्तौड़गढ़ जिले में भादसोड़ा, कनेरा, निम्बाहेड़ा, डूंगला, बस्सी, जावदा, भोपालसागर, पहुना, आकोला, गंगरार व राश्मी, उदयपुर जिले में वल्लभनगर के साथ ही बांसवाड़ा जिले में छींच, बड़ोदिया, गनोड़ा, तलवाड़ा, गढ़ी, परतापुर व घाटोल, प्रतापगढ़ जिले में प्रतापगढ़ व छोटी सादड़ी, सिरोही जिले में स्परूपगंज एवं डूंगरपुर जिले से आसपुर में खरीद केन्द्र संचालित किये जाएंगे। भारत सरकार के निर्देशानुसार राज्य में भारतीय खाद्य निगम द्वारा संचालित खरीद केन्द्र पर हर वर्ष की तरह रबी विपणन वर्ष 2025-2026 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद का कार्य ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इस हेतु राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है। किसानों को अपना पंजीयन पार्टल पर जा 01 जनवरी-2025 से शुरू कर दिया गया है, जहां से पंजीयन करवा सकते हैं, जिसका विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध है। किसानों को पोर्टल पर जाकर आरएमएस 2025-26 हेतु अपना पंजीयन करवा लेने को कहा गया है, जिससे खरीद सुविधापूर्वक हो सके। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष गेहूं की खरीद हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपए प्रति क्विंटल एवं राज्य सरकार द्वारा 125 रूपए बोनस निर्धारित किया गया है। वहीं निगम द्वारा किसानों को उनकी उपज का भुगतान सीधे उसके बैंक खातों में गेहूं बेचने के 48 घंटे में नियमानुसा कर कर दिया जाएगा।

पंजीयन हेतु जरूरी दस्तावेज

किसानों को पंजीयन के लिए जनआधार कार्ड का होना आवश्यक है, जिसके माध्यम से किसान के व्यक्तिगत विवरण, जमीन/फसल बुवाई का प्रमाणित विवरण एवं बैंक खाते का विवरण प्राप्त किया जाएगा। किसान निगम की मंडियों से गेहूं विक्रय करने के लिए पंजीयन करवा सकते हैं एवं खरीद हेतु जारी तिथि के उस दिवस में अपना गेहूं विक्रय कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसानो को अपने जनआधार से लिंक बैंक खाते की जांच करने को कहा गया है क्योंकि फसल का भुगतान जनआधार कार्ड से लिंक खाते में ही किया जाएगा।

माघ पूर्णिमा पर बेणेश्वर मेला आज

● पदमावत मीडिया

उदयपुर। वागड़ प्रयाग, वागड़ वृंदावन बेण वृंदावन धाम जैसे उपनामों से विख्यात सोम-महीसागर संगम् तीर्थ बेणेश्वर धाम टापू पांच शताब्दियों से लोक संस्कृतियों के संगम का साक्षी बना हुआ है। बेणेश्वर मेले को लेकर कई तरह की किवदंतियां प्रचलित है। किसी का मानना है कि बेणेधर टापू पर मेले की शुरुआत मावजी महाराज के समय से हुई तो कोई मेले का इतिहास केवल 100 साल का बताता है, लेकिन ऐतिहासिक तथ्यों पर गौर करें तो बेणेश्वर टापू पर मेले की शुरूआत करीब पांच शताब्दी पूर्व रावल आसकरण के समय हो चुकी थी। बाद में इसमें उतार-चढ़ाव आते रहे। हालाकि इसमें भी कोई संदेह नहीं कि लीलावतवारी संत मावजी महाराज ने इस घरा की कीर्ति चहुंओर पहुंचाई। उनकी अलौकिक लीलाओं और आगमवाणियों ने बेणेश्वर को विशिष्ट बनाया। यहां तक की बेणेश्वर धाम और यहां भरने वाला मेला भी आज मावजी महाराज का पर्याय बन चुका है। सोम-महिसागर संगम् तीर्थ की

महिमा कई पुराणिक ग्रंथों में उल्लेखित है। खास कर स्कंदपुराण में इसे पृथ्वी का श्रेष्ठ तीर्थ माना गया है। बेणकु या बेणेश्वर कहे जाने वाले इस स्थल पर सोम व माही नदी का संगम होता है। सदियों से आदिवासी समुदाय इस संगम् स्थल पर अपने पूर्वजों की अस्थियों का विसर्जन करता आ रहा है। बड़ी संख्या में लोगों के अस्थि विसर्जन के लिए पहुंचने पर 16वीं शताब्दी में रावल आस्करण ने इसे मेले का रूप दिया। डूंगरपुर के प्रसिद्ध इतिहासकार डा. महेश पुरोहित ने उनकी पुस्तक बेणेश्वरः सोम-महीसागर संगम तीर्थ में इसका जिक्र किया है। पुरोहित के मुताबिक रावल आसकरण ने यहां आने वाले जनसमुदाय को व्यवस्थित कर आर्थिक दिशा देते हुए मेला कराना शुरू किया था। आसकरण ने ही यहां बेणेश्वर शिवालय की स्थापना की। मेले का केंद्र आबू दर्रा और शिव मंदिर राहते थे। धीरे-धीरे यह मेला शैव भक्तों का बड़ा मेला बन गया। हालांकि बाद में कुछ राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते मेला शिथील हो गया, जिसे महारावल शिवसिंह ने दोबारा आबाद कराया। महारावल शिवसिंह के समय में ही मावजी महाराज का अवतरण माना गया है। मावजी महाराज को भगवान श्रीकृष्ण का लीलावतार भी कहा जाता है। मावजी महाराज ने बेणेश्वर को अपनी तपोस्थली बनाई और यही आबु दर्रा घाट पर रास लीला की। इसी रासलीला की याद में भक्त सम्मेलन शुरू हुआ, जिसने धीरे-धीर मेले का रूप ले लिया। इतिहासकार डॉ पुरोहित के अनुसार एक ही तिथि पर शैव व हरि भक्तों के अलग-अलग मेले होने लगे। मावजी महाराज हरि और हर को एक स्वरुप मानते थे।

क्या झूठ बोल रहे हैं एल्विश यादव जयपुर में पुलिस एस्कॉर्ट पर उठे सवाल, एडिशनल कमिश्नर ने झाड़ा पल्ला

● पदमावत मीडिया

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में गाना शूट करने आए फेमस यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी विनर एल्विश यादव पुलिस एस्कॉर्ट को लेकर विवादों में फंस गए हैं. एल्विश यादव ने अपने यूट्यूब व्लॉग पर अपने जयपुर टूर का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें राजस्थान पुलिस की 112 हेल्पलाइन वाली गाड़ी उन्हें एस्कॉर्ट करती हुई नजर आ रही है. हैरत की बात यह है कि जब एडिशनल कमिश्नर रामेश्वर सिंह से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने एल्विश को पुलिस सुरक्षा देने से साफ इनकार कर दिया है. अधिकारी का कहना है कि एल्विश ने पुलिस की गाड़ी के पीछे अपनी गाड़ी चलाते हुए यह वीडियो बनाया है और उसे एस्कॉर्ट कहकर वायरल कर दिया है, जबकि हकीकत में उसे कोई सुरक्षा नहीं दी गई।

10 से 15 थानों की पुलिस सुरक्षा

एल्विश यादव व्लॉग्स के नाम से बने यूट्यूब चैनल पर इस वीडियो को पोस्ट करते हुए यूट्यूबर ने राजस्थान में फुल प्रोटोकॉल नाम दिया है. ये वीडियो कुल 15 मिनट 16 सेकेंड का है, जिसमें एल्विश यादव की गाड़ी को पुलिस की 3 अलग-अलग गाड़ियां एस्कॉर्ट करती हुई नजर आ रही हैं। पहली नीले रंग की गश्त वाहन चेतक-14 है, जिसने एल्विश को पत्रिका गेट से होटल तक छोड़ा है. इसके बाद दूसरी गाड़ी सफेद रंग की 112 हेल्पलाइन गाड़ी है. एल्विश की गाड़ी चला रहे साथी के अनुसार, वो गाड़ी जयपुर से सांबर जाने के रास्ते में थाने-टू-थाने बदलती रही. रास्ते में करीब 10 से

15 थाने पड़े, और हर बार अलग गाड़ी आई। जब सांबर में गाना शूट करने के बाद एल्विश जयपुर के लिए रवाना हुए तो सफेद रंग की दूसरी गाड़ी आई. एल्विश के साथी के अनुसार, वो पुलिस की परमानेंट एस्कॉर्ट कार है, जो उसके साथ गुरुग्राम तक जाएगी।

वीआईपी रास्ता खुलवाने के लिए दौड़ा पुलिसकर्मी

जयपुर से सांबर लेक जाते समय एक वक्त ऐसा भी आया जब बगरू टोल पर एल्विश की गाड़ी पहुंची. वहां वीआईपी रास्ता खुलवाने के लिए एस्कॉर्ट गाड़ी का एक पुलिसकर्मी नीचे उतरा और दौड़कर रास्ता खुलवाया. यूट्यूब पर पोस्ट किए गए एल्विश के व्लॉग में यह सीन में कैप्चर हुआ. सांबर से लौटते वक्त एल्विश ने राजस्थान पुलिस को एस्कॉर्ट देने के लिए धन्यवाद भी कहा है. हालांकि पुलिस अब इस बात से अपना पल्ला झाड़ रही है।

एल्विश यादव के पुलिस एस्कॉर्ट पर सवाल क्यों

एल्विश को एस्कॉर्ट कर रही पुलिस की 112 नंबर गाड़ी इमरजेंसी रिस्पॉन्स का काम करती है. वहीं चेतक गाड़ी गश्त वाहन है तो कुछ किलोमीटर के दायरे में ही सुरक्षा देने या रास्ता क्लियर करने के काम आती है. जब भी किसी को सुरक्षा देनी होती है पहले कमिश्नरेट को जानकारी दी जाती है. वहां से परमिशन मिलने पर एक स्पेशल एस्कॉर्ट गाड़ी भेजी जाती है। इसी कारण एल्विश का वीडियो वायरल होते ही बवाल हो गया और पुलिस की कार्यवाही पर सवाल खड़े होने लगे. लोग ये भी पूछ रहे हैं कि अगर एल्विश का वीडियो गलत है, और वो झूठ बोल रहा है, तो क्या पुलिस उस पर कोई कार्रवाई करने वाली है।

स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम सुरक्षित इंटरनेट के उपयोग पर हुई चर्चा

● पदमावत मीडिया

उदयपुर। सेफर इंटरनेट डे के उपलक्ष्य में जिले के समस्त राज्य की उच्च माध्यमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग की चर्चा की गई। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य डीईओ चंद्रशेखर जोशी के अनुसार मंगलवार को सेफर इंटरनेट डे होने से स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम के तहत जिले के 1662 विद्यालयों में समान रूप से सुरक्षित इंटरनेट के उपयोग पर गतिविधियां आयोजित की गई। स्कूल हैल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के जिला सह समन्वय त्रिभुवन चौबीसा के अनुसार सेफर इंटरनेट डे के मद्देनजर मंगलवार को विद्यालयों में चार्ट्स, पोस्टर ,वार्ता ,नाटक एवं लघु फिल्म के माध्यम से साइबर सेफ्टी संबंधी जागरूकता का पाठ पढ़ाया गया। इस अवसर पर अमरपुरा गिर्वा में शंकरलाल मीणा ने वार्ता प्रस्तुत की वही बोरीकुआं स्कूल में हैल्थ एम्बेसडर चित्रा व्यास द्वारा लघु फिल्म प्रदर्शित कर जानकारी दी गई जबकि उपलावास कुंडाल में हेल्थ एंबेसडर सुमन जोशी के निर्देशन में पोस्टर एवं आईईसी सामग्री के माध्यम से साइबर सेफ्टी का पाठ पढ़ाया गया।लसाडिया में व्यक्तिगत सैफर इंटरनेट दिवस का किया आयोजित सलूंबर जिले के लसाडिया ब्लॉक में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय लसाडिया में आयुष्मान भारत कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम में जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया फ़रवरी माह के दूसरे मंगलवार को सेफर इंटरनेट दिवस के रूप में मनाया साथ ही शक्ति दिवस के तहत आयरन फोलिक एसिड की टैबलेट भी वितरित की गई उक्त जानकारी हेल्थ एम्बेसडर मोहित कुमार रेगर ने दी। एमजीजीएस लसाडिया में टुगेदर फॉर अ बैटर इंटरनेट÷ के मुख्य बिन्दु पर हेल्थ एम्बेसडर मोहित कुमार रेगर ने फिशिंग, विशिंग, स्मिशिंग सायबर थ्रेट एवं फाइनेशनल फ्रॉड से बचने के तरीकों एवं सोशल मीडिया के फायदें एवं नुकसानों पर चर्चा की तथा हैल्थ मेसेंजर प्रेमसिंह ने बताया कि अपनी व्यक्तिगत जानकारी देने में अगर हमें कोई फायदा पहुंचे तो हमें सम्भल कर एवं पूर्ण सावधानी बरतें हुए फिर सूचना देनी चाहिए। ऋषभदेव ब्लॉक में पीपली बी में देवयानी डामोर ने वार्ता प्रस्तुत की, खेरवाड़ा के बावलवाड़ा में राकेश कुमार जैन ने साइबर सेफ्टी के टिप्स दिए। इस प्रकार जिले के कलडवास, पीपली ए , गौड़फला, बडला, बुझड़ा, सूरजपोल टेकरी, खेड़ाघाटी नयागांव, पिपलिया, छोटी उंदरी, लाम्बा धावड़ा, रायना, सुलावास, बासनी खुर्द सिंधियों का वास, रेड द्वितीय बंसलिया, वरनोदा ,नालफला, भोपाखेड़ा ,गुडली कुराबड, सालेरा कला , साकरिया खेड़ी, वाना, फीला , पाटिया,कड़िया, सुलाव कोटडा, खाम कोटडा, थूर , मेहरों का गुड़ा, पिपलिया, राणा, भादवी गुड़ा,केलथरा, नाल , मज़ावद, झाड़ोली, कागदर भाटिया, आदि विद्यालयों में सुरक्षित इंटरनेट के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने पण्डित उपाध्याय को अर्पित किये श्रद्धा सुमन

पण्डित उपाध्याय का दर्शन युवा, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिज्ञों के लिए प्रेरणादायकः देवनानी

● पदमावत मीडिया

जयपुर । राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि पण्डित उपाध्याय ने राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र के भविष्य की संकल्पना के लिए गहन चिन्तन किया। पण्डित उपाध्याय ने विकास का आधार एकात्ममानव दर्शन बताया है। देवनानी ने कहा कि पण्डित उपाध्याय का दर्शन युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिज्ञों के लिए प्रेरणादायक है। धानक्या की इस पवित्र भूमि पर राष्ट्रवाद से प्रेरित इस कार्यक्रम में कुशाग्र बुद्धि वाले पण्डित उपाध्याय जी की प्रतिमा के सामने खडे होने पर ही उनके अभूतपूर्व जीवन का सम्पूर्ण चित्र उभरकर आ जाता है। समाज सेवा के पथ प्रदर्शक, राजनीति के आदर्श, अदभुत व्यक्तित्व , चिंतन, बुद्धि? कौशल, नेतृत्व और सांगठनिक क्षमता के धनी पण्डित उपाध्याय ने लगातार समाज को नई दृष्टि देकर समाज को जगाने का कार्य किया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने मंगलवार को धानक्या में स्थित पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक स्थल पर पहुँचकर पण्डित जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें स्मरण किया। देवनानी ने पण्डित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति द्वारा आयोजित पण्डित उपाध्याय की 57वीं पुण्यतिथि के अवसर पर नेत्र चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ किया। देवनानी ने पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक स्थल से संबंधित चित्रों की प्रदर्शनी का भी फीता खोलकर उदघाटन किया। देवनानी ने कहा कि पण्डित उपाध्याय ने राष्ट सेवा को ही अपने जीवन का ध्येय बनाया। मोमबत्ती और लालटेन की रोशनी में अध्ययन करने वाले पण्डित उपाध्या?य ने पांचजन्य , स्वदेश, राष्ट्रधर्म जैसे समाचार पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से राष्ट्रीय जागरण और राष्ट्रीय विचारों का प्रचार-प्रसार किया। देवनानी ने कहा कि पण्डित उपाध्याय ने भारत की कृषि प्रधान अर्थ व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए विकेन्द्रीकृत राजनीति और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को केन्द्र में रखकर आधुनिक तकनी?को को शामिल करने का सुझाव दिया। देवनानी ने कहा कि पण्डित उपाध्याय की पुण्यातिथि पर हम सभी को उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट को प्रथम रखकर उन्नत, विकसित और समृद्ध भारत को निरन्तर आगे बढाने के लिए हम सभी को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पण्डित उपाध्याय की एक देश एक विचार की संकल्पना में अखण्ड भारत के निर्माण में सभी को साथ मिलकर चलना होगा। महान चिन्तक, विचारक और अन्तोदय व एकात्ममानववाद के प्रणेता पण्डित उपाध्याय के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर हम राष्ट को नई दिशा देने में भागीदार बन सकते है। देवनानी ने नेत्र चिकित्सा शिविर में ईलाज लेने आए बुजुर्गों से बातचीत की और उनके हाल चाल पूछे। इस मौके पर विधायक गोपाल शर्मा, समारोह समिति से जुडे कैलाश चन्द्र , शंकर, एम.एल. छीपा सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद थे।

सुमिता सरोच संभालेंगी उदयपुर पर्यटन विभाग की कमान

● पदमावत मीडिया

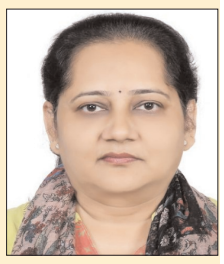

उदयपुर। पर्यटन विभाग की वरिष्ठ अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच उदयपुर पर्यटन विभाग की कमान संभालेंगी। पर्यटन विभाग के संयुक्त शासन सचिव के आदेशानुसार सरोच को यह दायित्व मिला है। यह दायित्व मिलने के बाद सरोच ने बताया कि विश्व पटल पर पर्यटन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले उदयपुर शहर को राज्य सरकार की मंशाओं के अनुरूप नई ऊंचाइयां प्रदान करने के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने पर्यटकों के अत्यधिक उत्साह को देखते हुए शहर और आसपास के क्षेत्रों को टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में भी प्रयास करने की बात कही। सुमिता सरोच अभी पर्यटन विभाग मुख्यालय जयपुर में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत है और वर्तमान पद के विरुद्ध कार्य व्यवस्था में क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय उदयपुर में उन्हें नियुक्त किया है। विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत आइफा आयोजन के कारण वे 10 मार्च के बाद उदयपुर का कार्यभार संभालेंगी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान पर्यटन सेवा की वरिष्ठ अधिकारी सुमिता पहले भी उदयपुर में अपनी सेवाएं दे चुकी है। सुमिता के दीर्घकालिक अनुभवों का लाभ उदयपुर पर्यटन विकास में मिलेगा।

एमएसपी 2425 रु. प्रति क्विंटल व 125 रु. राज्य सरकार देगी बोनस

गेंहू की सरकारी खरीद 10 मार्च से शुरू होगी, रजिस्ट्रेशन आज से

● पदमावत मीडिया

डूंगरपुर। रबी वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया 1 जनवरी 2025 से प्रारम्भ हो चुकी है। इस वर्ष भी 10 मार्च से गेंहू की सरकारी खरीद शुरू कर दी जाएगी। मण्डल कार्यालय उदयपुर, भारतीय खाद्य निगम के अधीनस्थ राजस्व जिला राजसमंद, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, बांसवाड़ा, सिरोही,डुंगरपुर एवं प्रतापगढ़ में कूल 26 खरीद केंद्र संचालित किए जाएंगे, जिनमें समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद का कुल लक्ष्य लगभग 22710 टन निर्धारित किया गया है। इस के लिए निगम द्वारा राजसमंद जिले में (मदारा, कुरज, कांकरोली, राज्यवास), चित्तौड़गढ़ जिले में (भादसोड़ा, कनेरा, निम्बाहेड़ा, डूंगला, बस्सी, जावदा, भोपालसागर, पहुना, आकोला, गंगरार, राशमी), उदयपुर जिले में वल्लभनगर, बांसवाड़ा जिले में (छींच, बड़ोदिया, गानोडा, तलवाड़ा, गढ़ी परतापुर, घाटोल), प्रतापगढ़ जिले मे (प्रतापगढ़ एवं छोटी सादडी) सिरोही जिले मे (स्वरूपगंज) एवं डुंगरपुर जिले मे आसपुर खरीद केंद्र संचालित किए जाएंगे। उदयपुर मंडल प्रबंधक ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार राज्य मे भारतीय खाद्य निगम द्वारा संचालित खरीद केन्द्रों पर हर वर्ष की तरह रबी विपणन वर्ष 2025-26 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद का कार्य ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इस हेतु राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है । किसानो को अपना पंजीकरण पोर्टल पर जाकर दिनांक 1 जनवरी 2025 से करवा सकते है, जिसका विवरण वैबसाइट पर उपलब्ध है। किसान पोर्टल पर जाकर आरएमएस 2025-26 के तहत अपना पंजीयन करवा सकते हैं जिससे की खरीद सुविधापूर्वक हो सके। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष गेहूं की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल एवं राज्य सरकार द्वारा 125 रु. बोनस निर्धारित किया गया है। वही निगम द्वारा किसानों को उनकी उपज का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में गेहूं बेचने के 48 घंटो में नियमानुसार कर दिया जाएगा।

पंजीयन हेतु जरूरी दस्तावेज

किसानों को पंजीयन के लिए जन आधार कार्ड का होना आवश्यक है, जिसके माध्यम से किसान के व्यक्तिगत विवरण, जमीन, फसल बुवाई का प्रमाणित विवरण एवं बैंक खाते का विवरण प्राप्त किया जाएगा। किसान निगम की मंडियों मे गेहूं विक्रय करने के लिए पंजीयन करवा सकते है एवं वे खरीद के लिए जारी तिथि के दस दिवस मे अपना गेहूं विक्रय कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसान अपने जन आधार से लिंक बैंक खाते की जांच कर लेवें एवं यदि आवश्यक हो तो अपडेट करवा लेवें क्योकि फसल का भुगतान जन आधार कार्ड से लिंक खाते मे ही किया जाएगा।

फार्मर रजिस्ट्री शिविरों में 600 सेअधिक किसानों का हुआ रजिस्ट्रेशन

जिला कलेक्टर सिंह ने थाणा व बिलडी शिविरों का किया निरीक्षण

● पदमावत मीडिया

डूंगरपुर। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के निर्देशन में शुरू हुए फार्मर रजिस्ट्री शिविर अभियान के तहत ग्राम पंचायत देवल खास, थाणा, बिलडी, चितरी, सकोदरा, लिमड़ी में मंगलवार को आयोजित शिविरों में कुल छः सौ से अधिक किसानों का रजिस्ट्रेशन हुआ। भारत सरकार के कृषि विभाग द्वारा संचालित एग्री स्टेक योजना अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत मंगलवार को जिले की ग्राम पंचायत थाणा, देवल खास, बिलडी, सकोदरा, लिमड़ी एवं चितरी किसानों ने इन शिविरों में अपने रजिस्ट्रेशन के लिए उत्साह से भाग लिया ।

जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

डूंगरपुर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत बिलड़ी एवं थाणा में आयोजित शिविरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान शिविरों में पूर्व में दिए गए निर्देशानुसार काउंटर लगने, प्रत्येक काउंटर पर निर्देशों के अनुसार कार्मिकों की नियुक्ति एवं उपस्थित, उपलब्ध संसाधन की जानकारी ली तथा शिविर प्रभारी को शिविर में पहुंचने वाले प्रत्येक किसान का नियमानुसार रजिस्ट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रजिस्ट्रेशन किए जाने की ऑनलाइन प्रक्रिया को भी स्वयं देखा। उन्होंने सभी तकनीकी संसाधनों को अपडेट रखने तथा बैकअप रखने के निर्देश प्रदान किये। उन्होंने शिविर में पहुंचने वाले सभी कृषकों का ई केवाईसी तथा रजिस्ट्रेशन करने, सभी पात्र को जोड़ने के निर्देश दिए। मौके पर मौजूद तहसीलदार जियाउर्रहमान, तहसीलदार भू अभिलेख दिनेश प्रजापत, ग्राम विकास अधिकारी हर्षित रावत से जानकारी लेते हुए सभी पात्र को अभियान से जोड़ने और फार्मर रजिस्ट्रेशन करवाने के निर्देश दिए। मौके पर मौजूद पूर्व सरपंच बद्री प्रसाद कटारा ने बताया कि पूरे गांव में व्यापक प्रचार प्रसार कर सभी को जानकारी दी गई है।

योजनाओं के लाभ के लिए आईडी

इस अभियान के अंतर्गत रजिस्ट्री करवाने वाले प्रत्येक किसान को 11 अंकों की विशिष्ट फार्मर आईडी प्रदान की जाएगी। किसानों द्वारा आईडी बनवाने के लिए आधार कार्ड, जमाबंदी तथा तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर की जरूरत होगी। भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक आसान पहुंच करने, पीएम किसान सम्मान निधि योजना एवं कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी आवश्यक होगी।

जिला कलेक्टर ने किया राजकीय विद्यालय मानपुर ए का ओचक निरीक्षण, छात्रों से किया संवाद

● पदमावत मीडिया

सलूंबर । जिला कलक्टर ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मानपुर ए में कक्षा-कक्षों, विद्यालय परिसर आदि का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय का निरीक्षण कर साफ-सफाई, पेयजल व कक्षाओं में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्थाओं को देखा। बच्चों से किया सीधा संवाद इस दौरान जिला कलेक्टर ने विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की क्लास लेकर उनसे विभिन्न विषयों के सम्बन्ध में प्रश्न भी पूछे और उन्होंने बच्चों से सीधा संवाद करते हुए विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर की जांच की। उन्होंने कक्षा में विद्यार्थियों से उनके विषय, करियर आदि के बारें में बातचीत कर अध्ययन के लिए प्रेरित किया एवं उन्हें आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को भी जांचा। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने विद्यालय में संचालित गतिविधियों तथा शैक्षणिक कार्यो का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने, परिसरों की समय-समय पर सफाई कराने, खाली जगहों पर पौधारोपण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कार्यालय रिकार्ड, विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षकों की उपस्थिति पंजिका की जांच कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उदयपुर के होटलों को 10-वर्षीय लाइसेंस बहाल करने की मांग, होटल व्यवसायियों में रोष

● पदमावत मीडिया

उदयपुर। उदयपुर के होटल व्यवसायियों ने नगर निगम द्वारा 10-वर्षीय लाइसेंस को रद्द कर 1-वर्षीय लाइसेंस प्रणाली लागू करने के फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। इस मुद्दे पर होटल एसोसिएशन उदयपुर के उपाध्यक्ष एवं बिज़नेस सर्कल इंडिया टूरिज्म के अध्यक्ष यशवर्धन राणावत ने राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इस पत्र की प्रतियां मुख्यमंत्री, संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त को भी भेजी गई हैं। पत्र संख्या ; बीसीआई/2025-26/40 और एचएयू/2024-26/140 त्वरित कार्यवाही हेतु भेजे गए । राणावत ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि 20 सितंबर 2024 को तत्कालीन जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल के प्रयासों से उदयपुर नगर निगम ने 10-वर्षीय लाइसेंस प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। यह कदम ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस नीति के तहत लिया गया था और इससे होटल व्यवसायियों को अनावश्यक प्रशासनिक बाधाओं से राहत मिली थी। लेकिन दिसंबर 2024 में नगर निगम ने बिना किसी स्पष्ट कारण के इस निर्णय को पलटते हुए पुनः वार्षिक लाइसेंस प्रणाली लागू कर दी, जिससे होटल उद्योग में असंतोष फैल गया है। पत्र में कहा गया कि होटल उद्योग को इससे हो रहा नुकसान।

राणावत ने पत्र में पांच प्रमुख बिंदुओं पर चिंता जताई

1. अनावश्यक प्रशासनिक बोझ- हर साल लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया से होटल व्यवसायियों का समय और संसाधन व्यर्थ हो रहा है।
2. सरकारी नीति के विरुद्ध निर्णय- सरकार पर्यटन संवर्धन और व्यवसायिक सुगमता की बात करती है, लेकिन यह कदम इसके विपरीत है।
3. राजस्व पर प्रभाव- होटल उद्योग नगर निगम, जीएसटी और आयकर में महत्वपूर्ण योगदान देता है, लेकिन उन्हें अनावश्यक प्रक्रियाओं में फंसाया जा रहा है।
4. व्यापार जगत में असंतोष- इस फैसले से होटल व्यवसायियों में व्यापक असंतोष है, जिससे पर्यटन में निवेश घटने का खतरा बढ़ रहा है।
5. पर्यटन उद्योग पर संकट- उदयपुर एक प्रमुख पर्यटन स्थल है और नीतिगत अस्थिरता निवेश और विकास को बाधित कर सकती है।

सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

होटल एसोसिएशन और बिज़नेस सर्कल इंडिया टूरिज्म ने मांग की है कि 10-वर्षीय लाइसेंस प्रणाली को तत्काल बहाल किया जाए। साथ ही, जिला कलेक्टर नमित मेहता और नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएं कि होटल व्यवसायियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। राणावत ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से चर्चा की मांग करते हुए कहा कि सरकार का त्वरित हस्तक्षेप उदयपुर के होटल व्यवसायियों को राहत देगा और यह साबित करेगा कि राजस्थान सरकार पर्यटन विकास और व्यापार-अनुकूल नीतियों के लिए प्रतिबद्ध है। होटल व्यवसायियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अगर जल्द ही इस मुद्दे पर सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया, तो हमें मजबूरन आंदोलन की दिशा में सोचना पड़ेगा, राणावत ने चेतावनी दी।होटल एसोसिएशन उदयपुर अध्यक्ष और बिज़नेस सर्किल इंडिया के संस्थापक मुकेश माधवानी ने इस मुद्दे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार को तुरंत कार्यवाही करते हुए लाइसेंस प्रक्रिया को सरल बनाते हुए दस वर्ष के लिए करना चाइए जिससे की पर्यटन उद्योग फले फूले और सरकार को भविष्य में और अधिक राजस्व कमाकर दे । इससे उद्योग में एक सकारात्मक संदेश भी जाएगा ।

सांसद डॉ. रावत ने रोहिंग्या घुसपैठिया का मामला संसद में उठाया, संरक्षण देने वालों पर भी कार्रवाई की मांग उठाई

● पदमावत मीडिया

उदयपुर। उदयपुर संभाग में धर्मान्तरण करवाने वाली गैंग और नक्सलवाद जैसी गतिविधियां हावी होने को लेकर लगातार चिंता व्यक्त करने वाले उदयपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद मन्नालाल रावत ने मंगलवार को संसद में रोहिंग्या घुसपैठियों का मामला भी उठाया और इनको संरक्षण देने वाले तथा अवैध घुसपैठ में सहयोग करने वाले लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने की मांग उठाई है। सांसद श्री रावत ने संसद में नियम 377 के अधीन अपनी बात रखते हुए बताया कि रोहिंग्या घुसपैठियों द्वारा अवैध रूप से देश की सीमा में प्रवेश कर रहे हैं और अपने पहचान प्रमाण पत्रों को फर्जी तरीके से तैयार कर रहे हैं। रोहिंग्या घुसपैठी छद्म रूप से नाम व धर्म बदल कर अनैतिक कार्यों में संलग्न पाए गये है। इन अवैध घुसपैठियों के कारण कई रूपों में राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां उत्पन्न हो रही है, जो हम सबके लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। सांसद श्री रावत ने सरकार से आग्रह किया कि देश की आंतरिक सुरक्षा की इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर इनके द्वारा बनाये गए आधार कार्ड की जांच की जाए। आधार के आवेदन के दौरान दिये गए दस्तावेजों की भी प्रमाणिकता की जांच करने एवं फर्जी तरीके से दस्तावेज बनाने वाले आधार संचालक आदि के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। सांसद श्री रावत ने इस गंभीर मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि सांसद रावत अपने संसदीय क्षेत्र में धर्मान्तरण गतिविधियों और डूंगरपुर-बांसवाडा में सक्रिय झारखंड के कुछ चिंहित तत्वों द्वारा फैलाई जा रहे भ्रम को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। हाल में आदिवासी हिन्दू है इसको स्पष्ट करने के लिए सांसद श्री रावत ने बेणेश्वर मेले के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने भाषण में तथ्य रखे थे, लेकिन बाप से चुने गए विधायक ने अकारण विरोध शुरु कर दिया। सांसद श्री रावत ने कहा कि इससे साफ हो रहा है बाप पार्टी के नेता किन लोगों को समर्थन कर रहे हैं, प्रश्रय पा रहे है। साथ ही रोहिग्या की तरह ही देश के अंदर के कौन लोग भ्रम फैलाकर माहौल खराब चाहते हैं। स्मरण रहे संघ मे भी धर्मांतरण करने वाले पारितंत्र की रणनीति को ध्वस्त करने के लिए महाकुंभ में रणनीति पर चर्चा हो रही है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यशाला एवं क्विज का आयोजन

पदमावत मीडिया, डूंगरपुर। प्रत्येक वर्ष फरवरी के दूसरे सप्ताह के दूसरे दिन सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया जाता है, इस वर्ष यह 11 फरवरी को मनाया गया जिसका उद्देश्य इंटरनेट का सुरक्षित और बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना है, ताकि प्रत्येक उपयोगकर्ता अपनी निजी जानकारी दिए बिना, जिम्मेदारी से इंटरनेट का इस्तेमाल कर सके। इस अवसर पर जिले के सभी पंचायत समिति मुख्यालयों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। कार्यशाला के अंत में एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने इंटरनेट सुरक्षा के संबंध में अपने ज्ञान का परीक्षण किया। विजेता प्रतिभागियों को आयोजकों द्वारा उपहार वितरित किए गए। इसके अलावा, इस कार्यक्रम का एक और प्रमुख आयोजन सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज पंचायत समिति देवल में हुआ। कार्यशाला का संचालन एन. आई. सी. के वरिष्ठ निदेशक विपिन खन्ना ने किया, जबकि अन्य गणमान्य व्यक्तियों में सूचना प्रोद्योगिकी से संयुक्त निदेशक श्री मनीष वर्मा, उप निदेशक श्री समीर मीना, कॉलेज के प्रधानाचार्य और अन्य शिक्षकों उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एन. आई. सी.के उप निदेशक श्री नवीन कुमार माथुर द्वारा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग और डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल इंटरनेट सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना था।

एक लाख रूपये वार्षिक आय से अधिक वाले परिवारों के गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा से हटवाने के लिए आवेदन आमंत्रित

पदमावत मीडिया, डूंगरपुर। राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार चार-पहिया वाहनधारक, सरकारी कर्मचारी, आयकर दाता एवं 1 लाख रूपये वार्षिक आय से अधिक वाले परिवारों के लिए गिव अप अभियान चलाया जा रहा है। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि उपरोक्त श्रेणियों के परिवारों को अवसर दिया गया है कि वे स्वेच्छा से अपने परिवार का नाम खाद्य सुरक्षा से हटवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत करे। आवेदन स्वय जिला रसद कार्यालय डूंगरपुर में प्रस्तुत किये जा सकते है एवं अपने क्षेत्र के उचित मूल्य दुकानदारों के मार्फत भी भिजवाये जा सकते है। यदि उक्त श्रेणियों के परिवारों द्वारा दिनांक 28 फरवरी 2025 तक अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवा लेवे नहीं हटवाने पर उनके विरूद्ध की राशि वसूलि के साथ ही नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। ऐसे अपात्र परिवारों को चिन्हित कर नोटिस जारी किये जा रहे है। जिला रसद अधिकारी द्वारा ऐसे 20 अपात्र परिवारों को नोटिस जारी किये गए है। साथ ही आज दिनांक तक 1541 परिवारों के 5940 सदस्यों द्वारा स्वेच्छा से अपने नाम खाद्य सुरक्षा से हटवाये गए है।

www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com @padmavatmedia

जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा ने ली अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक

आइसोलेशन में काम करने के बजाय आपसी समन्वय से योजनाओं को सफल बनाएं: कलेक्टर

● पदमावत मीडिया

राजसमंद। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने मंगलवार को समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं बजट घोषणाओं की समीक्षा की। कलक्टर ने बैठक की शुरुआत में ही सभी अधिकारियों से कहा कि अधिकारी आइसोलेशन में काम न करें, एक दूसरे से समन्वय बनाकर रखें, जिन योजनाओं में एक से अधिक विभागों की सहभागिता है वहाँ कॉर्डिनेट करते रहें एवं योजनाओं को सफल बनाएं, बेहतर नतीजे मिलेंगे। संपर्क पोर्टल की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने समस्याओं का समय पर समाधान करने पर श्रेष्ट तीन विभागों विद्युत विभाग, जलदाय विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की प्रशंसा की। साथ ही निम्न प्रगति वाले विभागों को सुधार करने के निर्देश दिए। कलक्टर ने कहा कि जब तक समस्याओं को लेकर माइक्रो लेवल तक नहीं जाएंगे तब तक बेहतर स्थिति नहीं आएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता से सीधी बात करें और उनका दर्द समझ कर समय पर समाधान करें। शिक्षा विभाग से निशुल्क यूनिफ़ॉर्म योजना के साथ-साथ मिड डे मिल की समीक्षा के दौरान कलक्टर ने कहा कि स्कूलों में भोजन में गुणवत्ता सुनिश्चित करें, साथ ही मसाले और अन्य सामग्री जहां तक संभव हो एसएचजी ग्रुप की ग्रामीण महिलाओं से खरीदे जिससे इन निर्धन महिलाओं को संबल प्राप्त हो। अपार आईडी की समीक्षा के दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी नए कुल प्रगति 71.6 प्रतिशत होना बताया, जिसमें सरकारी स्कूलों की प्रगति 77.53 प्रतिशत तथा निजी विद्यालयों की प्रगति 55.96 प्रतिशत होना सामने आया, इस पर कलक्टर ने आधार संबंधी समस्याएं दूर करते हुए प्रगति बेहतर कर हर बच्चे को अपार से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। शाला स्वास्थ्य की समीक्षा के दौरान चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग से 71 में से उदयपुर रेफर हुए 45 बच्चों के संबंध में डिटेल में जानकारी लेकर कहा कि बीमारी के अनुसार इनका वर्गीकरण करें, आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत पंजीकृत निजी

चिकित्सालयों में भी निशुल्क उपचार करवा सकते हैं, इस पर चिकित्सा विभाग ने दो दिन में प्रभावी कार्य योजना प्रस्तुत करने की बात कही। विद्युत विभाग से घरेलू, अघरेलू, जलदाय, औद्योगिक कनेक्शन के संबंध में समीक्षा की। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की प्रगति बेहतर करने के लिए अगले सप्ताह सहायक अभियंता स्तर के अधिकारियों के साथ अलग से बैठक कलेक्ट्रेट में बुलाने के निर्देश दिए। पशुपालन विभाग को मंगला पशु बीमा योजना में बेहतर प्रगति पर बधाई दी। पंचायतीराज विभाग से मनरेगा, अपूर्ण कार्यों, कैटल शेड, फार्म पॉण्ड, पौधशाला, विधायक और सांसद मद के लंबित कार्य, प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण), मॉडल विलेज, पिंक टॉइलेट, लिगसी वेस्ट अभियान की समीक्षा की। कलक्टर ने कहा कि इस महीने के अंत में एक बार पुनः सामूहिक स्वच्छता अभियान का आयोजन वृहद स्तर पर किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सामाजिक सुरक्षा पेंशन सत्यापन, कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन स्वरोजगार योजना की समीक्षा की। चिकित्सा विभाग से मा वाउचर योजना, 100 दिवस के टीबी प्रोग्राम, निजी चिकित्सालयों में प्रसव का डाटा अद्यतन करने आदि को लेकर पूछा। साथ ही प्रधानमंत्री वय वंदना योजना तथा आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत ई केवायसी की प्रगति को बेहतर करने के निर्देश दिए। जलदाय विभाग से जल जीवन मिशन के लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही पानी की डिमांड और सप्लाई की समीक्षा की। राजीविका डीपीएम डॉ सुमन अजमेरा से प्रोजेक्ट सक्षम सखी के द्वितीय संस्करण के तहत 1 मार्च को आयोजित होने जा रहे होली मेले तथा मेगा क्रेडिट कैंप को लेकर समीक्षा करते हुए तैयारियों पर चर्चा की। जिला रसद अधिकारी विजय सिंह से राशन कार्ड और आधार साइडिंग, उचित मूल्य की दुकानों की स्थिति, रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना, सहकारिता विभाग से कस्टम हायरिंग सेंटर, पैक्स कम्प्यूटरीकरण योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की प्रगति जानी। श्रम कल्याण अधिकारी उमेश राईका नए प्रोजेक्ट श्रम संबल के तहत गत वर्ष 500 के मुकाबले इस वर्ष अब तक निर्माण श्रमिकों के 5700 बच्चों को स्कॉलरशिप योजना से पंजीकृत करना बताया। कलक्टर ने लंबित आवेदनों का शीघ्र से शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। नगर परिषद राजसमंद और नगर पालिका नाथद्वारा आयुक्त को कलक्टर ने कहा कि कचरा पात्रों का वितरण प्रभावी तौर पर सुनिश्चित करें, साथ ही कचरा फैलाने वालों पर चालान की कार्रवाई करें। नगर परिषद आयुक्त बृजेश राय नए बताया कि 250 डस्टबिन का वितरण हुआ है, डोर टू डोर कलेक्शन को बेहतर बनाया गया है, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और मरम्मत के संबंध में कार्यवाही निरंतर जारी है।

योग प्रदर्शन, रक्त दान शिविर, मेहन्दी, चित्रकला, निबन्ध एवं रंगोली प्रतियोगिता के साथ माघ महोत्सव का हुआ शुभारंभ

● पदमावत मीडिया

भीनमाल। महा कवि माघ जयन्ती पर विशेष आयोजन के तहत मंगलवार को योग प्रदर्शन, रक्त दान शिविर, मेहन्दी, चित्रकला, निबन्ध एवं रंगोली प्रतियोगिता के साथ माघ महोत्सव का शुभारंभ किया गया । कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि स्थानीय नेहरु पार्क में सन टू ह्यूमन संस्था के तत्वावधान में शानदार योग प्रदर्शन किया गया । माघ स्मृति पर विशाल रक्तदान शिविर मरूधरा बल्ड बैंक के परिसर में आयोजित हुआ । जिसमें युवा वर्ग के लोगों ने रूचि दिखाते हुए रक्त दान शिविर में भाग लिया । दोपहर में स्थानीय विकास भवन में आयोजित माघ स्मृति पर विशेष प्रतियोगिताएँ मेंहदी, पोस्टर व निबंध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई । जिसमें शहर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया । कार्यक्रम के सह मीडिया प्रभारी जब्बार खां कादरी एवं समन्वयक जबराराम भाटी ने बताया कि विशेष आकर्षण के तहत माघ की प्रासंगिकता पर रंगोली, दीप यज्ञ व श्रीमाल महापूजन गोधुलिक वेला में स्थानीय माघ चौराहा पर किया गया । जिसमें भारत विकास परिषद्, हिन्दू सेवा समिति, युथ फॉर नेशन, नागरिक कल्याण मंच, विप्र फाउण्डेशन परिवार, खाद्य व्यापार संघ, हितकारी सेवा संगठन, एनीमल रेस्कयु टीम, श्रीराम सेना, संयुक्त व्यापार संघ, सनातन संस्कृति जागरण संघ, विभिन्न सामाजिक संगठन, नगरवासी सहित आम नागरिकों ने भाग लिया ।

कार्यक्रम प्रभारी घनश्याम व्यास ने बताया कि बुधवार को मुख्य समारोह के दौरान महा कवि माघ का पूजन किया जायेगा । विचार गोष्ठी एवं वरिष्ठ लोगों का सम्मान भी किया जायेगा । शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए शोभा यात्रा का आयोजन किया जायेगा । शाम को कवि सम्मलेन में स्थानीय कवि अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को ज्ञान अर्जित करायेंगे । महा कवि माघ जयन्ती पर विशेष आयोजन के तहत सम्पूर्ण कार्यक्रम में राजनैतिक-सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रशासनिक अधिकारी एवं आम नागरिक भाग लेंगे । इस आयोजन की सफलता के लिए पूरी टीम बधाई की पात्र हैं, जिन्होंने अपने अपने स्तर पर कार्य कर कार्यक्रम को चार चाँद लगा दिए ।

बसन्तोउत्सव कार्यक्रम के गीतों की रिहर्सल जारी
हम तुम कार्यक्रम में डॉ.प्रेम भंडारी होंगे मुख्य अतिथि-मुकेश माधवानी

● पदमावत मीडिया

उदयपुर। संगीत को समर्पित संस्था सुरों की मण्डली के संस्थापक मुकेश माधवानी ने बताया कि 16 फरवरी को आयोजित हम-तुम और बसन्त कार्यक्रम की तैयारियां अपने अंतिम चरण में है। दोपहर 1 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम में लगभग 55 प्रतिभागी बसन्त ऋतु पर युगल गीत प्रस्तुत करेंगे । जिनके लिए 6 से 15 फरवरी तक पूर्वाभ्यास की व्यवस्था की जा रही है । जिसमे प्रतिदिन कैलाश कैवल्या सुर साधको को कराओके ट्रैक पर अभ्यास करवा रहे है । कार्यक्रम संयोजक वीनू वैष्णव ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ख्यातनाम ग़ज़ल गायक डॉ. प्रेम भंडारी होंगे । कार्यक्रम को संपादित करने हेतु कमेटीयों का गठन कर जिम्मेदारीया दी गई है- वीनू वैष्णव-सोशल मीडिया और न्यूज़ के साथ सम्पूर्ण कार्यक्रम प्रबंधन,कैलाश कैवल्या-अभ्यास,साउंड और ट्रैक के साथ सम्पूर्ण तकनीकी कार्य,चन्द्र प्रकाश गन्धर्व-अतिथि एवं प्रतिभागी स्वागत-सत्कार,निखील माहेश्वरी एवं गोपाल गोठवाल-मंच सज्जा/डिजाइन,अनिता सिंगी एवं बृजेश कुमार मिश्रा-मंच संचालन,योगेश जी उपाध्याय-साउंड और ट्रैक का संकलन एवं संचालन कर रहे हे।

कृषि-आधारित उद्यमिता विकास पर व्याख्यान

● पदमावत मीडिया

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद प्रायोजित शीतकालीन विद्यालय के तहत एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. राजश्री गांधी राष्ट्रीय अध्यक्ष उपभोक्ता सुरक्षा संगठन ने कृषि-आधारित उद्यमिता विकास के लिए वित्तीय एजेंसियों/बैंकरों की भूमिका विषय पर प्रभावी विचार साझा किए। डॉ. गांधी ने प्रतिभागियों के साथ वित्तीय प्रबंधन, पूंजी स्रोत, व्यवसायिक रणनीतियाँ और ग्रामीण समुदायों में उद्यम विकास पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा, भारत एक कृषि प्रधान देश है और गांवों में बसता है। वर्तमान में, तकनीकी और सूचना प्रौद्योगिकी के सही उपयोग से कृषि को एक लाभदायक उद्यम में बदला जा सकता है। युवाओं को कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों और इनोवेशन को अपनाकर इसे स्मार्ट एग्रीकल्चर के रूप में विकसित करना चाहिए। इससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के असीम अवसर भी उत्पन्न होंगे। वित्तीय संस्थाओं का सही मार्गदर्शन और सहयोग इस दिशा में अत्यंत आवश्यक है। मुख्य अतिथि डॉ. लोकेश गुप्ता, अधिष्ठाताने प्रतिभागियों को इस विषय में जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. गांधी ने टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ÷यह मंच कृषि और वित्तीय क्षेत्रों के बीच एक मजबूत संवाद स्थापित करने का एक सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. निकिता वाधवानने समापन संबोधन में प्रतिभागियों को कृषि उद्यमिता में नवाचार को अपनाने का संदेश दिया। संगठन के जिला संयोजक अशोक कड़ेजा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सांस्कृतिक रंगों से रंगा बेणेश्वर मेला,भजन संध्या से आध्यात्मिक हुई फिजा

● पदमावत मीडिया

डूंगरपुर। बेणेश्वर मेला 2025 अध्यात्म, आस्था, और लोक सांस्कृतिक परंपराओं के साथ अपने चरम पर है। इसके साथ इसमें विविध आयोजनों ने मेले को सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक रंगों से रंग दिया है। मेले में जिलाप्रशासन, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग एवं जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विविध आयोजन किया जा रहे हैं। मेले में आयोजित भजन संध्या में दूरदराज क्षेत्रों से आये लोक कलाकारों ने लोक वाद्य यंत्रों पर भजनों के सुमधुर भावपूर्ण गायन से वातावरण में आध्यात्मिकता की स्वर लहरियां बिखेर दी। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि भजन गायन में लोक कला मंडल घाटोल ने प्रथम स्थान, भक्त मंडल बलवाड़ा ने द्वितीय स्थान तथा ग्राम पंचायत रास्तापाल ने तृतीय स्थान अर्जित किया। विजेताओं को नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पर्यटन अधिकारी जितेंद्र माली ने बताया कि इसी क्रम में पर्यटन विभाग पश्चिमी सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के माध्यम से विभिन्न क्षेत्र से आए लोक कलाकारों गोपाल साहबाद ने जिला बारां का सहरिया स्वाँग नृत्य, कलाकार अनीता ने चकरी नृत्य, कलाकार नारायण डामोर ने भौमपाड़ा बांसवाड़ा का डांगली डोला नृत्य, कलाकार अमृत मीणा खेरवाड़ा उदयपुर का भूरिया नृत्य, कलाकार विजय उदयपुर द्वारा कच्छी घोड़ी, कलाकार चेतन दास गोगुंदा उदयपुर द्वारा तेरहताल, भवाई नृत्य, कलाकार वीरेंद्र सिंह किशनगढ़ अजमेर द्वारा चरी नृत्य का आकर्षक प्रस्तुतीकरण दिया। आकर्षक बहुरंगी परिधानों में कलाकारों की इन मोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को विभिन्न लोक नृत्य से रूबरू किया।

गोगुन्दा में जगाई शिव अलख : रोज ईष्टदेव के दर्शन का लिया संकल्प

● पदमावत मीडिया

उदयपर। ब्रह्माकुमारीज उदयपुर सेवा केंद्र की बहनो ने गोगुन्दा गांव मे त्रिमूर्ति शिव महोत्सव का शुभारम्भ किया 7 अपने उद्बोधन मे बी के रीता बहन ने कहा कि जब बच्चे पिता का हाथ पकड़कर चलते हैं तो वे निश्चिंत रहते है। इसी तरह हम भी यदि खुद को परमात्मा को सौंपकर जीवन में चलते हैं तो सदा निश्चिंत रहते हैं। परमपिता शिव इस धरा पर अवतरित होकर हम सभी विश्व की मनुष्यात्माओं को सहज राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं। परमात्मा आह्वान कर रहे हैं कि मेरे बच्चों तुम अपने बुरे विचार, भावनाएं, गलत आदतें शिव पर अर्पण करना ही सच्ची शिवरात्रि मनाना है। अपने अंदर के अंधकार को मिटाकर जीवन में ज्ञान की ज्योत जगाएं। धर्म का आचरण ड्रेस पहनने से नहीं बन जाता है। उसे जीवन चरित्र में उतारना होगा। जिसे हम युगों-युगों से पुकार रहे थे, जिसकी तलाश में हमने वर्षों तक जप-तप और यज्ञ किए। आज वही भगवान इस धरा पर पुन- अवतरित हो चुके हैं। बी के रश्मि बहन ने कहा की हम सबको अपने पांच खोटे सिक्के अर्थात् काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार

को प्रभु को अर्पण करने हैं मीडिया समन्वयक प्रोफेसर विमल शर्मा ने बताया कि समारोह मे ग्रामीण महिला व पुरुष ने उत्साह से भाग लेते हुआ ढ़ोल मंजीरा चंग बजाते हुए अपने पारम्परिक नृत्य किये व ध्वजरोहण के बाद जयकारे लगाए। अंत मे सभी ने दिन मे एक बार अपने ईष्ट देव के दर्शन करने आने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना तहत ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी

● पदमावत मीडिया

डूंगरपुर। मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स जैसे मेडिकल इंजीनियरिंग, सीए सीएस, सीएमए, क्लैट के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नोकरियों जैसे यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा एवं सीडीएस परीक्षा, आरएसएसबी द्वारा आयोजित पटवारी, कनिष्ठ सहायक इत्यादि परीक्षा, आरआरबी द्वारा आयोजित परीक्षाओं, बैकिंग एवं इंश्योरेन्स की भर्ती परीक्षाओं, रीट एवं कास्टेबल परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं रोजगार के समान अवसर प्रदान करने के लिए पोर्टल पर सुचीबद्व कोचिंग करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से वर्ष 2024-25 के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक अशोक शर्मा ने बताया कि विभागीय वेबसाईड ूऐरमण्तरेंजींदण्हवअण्पद पर उपलब्ध मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के संशोधित नवीनतम विस्तृत दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया के प्रावधानों के अनुसार अनूसुचित जाति, अनूसुचित जनजाति अन्य पिछडा वर्ग, अति पिछडा वर्ग आर्थिक पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग, विशेष योग्यजन वर्ग के पात्र अभ्यर्थी योजनान्तर्गत कोचिंग करने के लिए अपने आवेदन एसएसओं पोर्टल पर द्वारा लॉग ईन कर अंतिम तिथि एसआईएमएस एसएमएस । पीपी पर जाकर मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग पर क्लिक कर तिथि 10 फरवरी 2025 से बढ़ाकर 15 फरवरी 2025 तक पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन भर सकते है। पात्र अभ्यर्थी नजदीकी ई-मित्र-मोबाईल के माध्यम से अधिक से अधिक आवेदन करना सुनिश्चित करें।

जिले में नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए प्रभावी प्रयास हेतु बैठक आयोजित

जिला कलेक्टर ने आईसीएमआर व चिकित्सा अधिकारी के साथ कार्ययोजना पर की विस्तृत चर्चा

● पदमावत मीडिया

डूंगरपुर । जिले में नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने और सुरक्षित प्रसव सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्धेश्य से जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीएमएचओ डॉ अलंकार गुप्ता, आरसीएचओ डॉ लोकेश कुमार परमार, आईसीएमआर टीम के प्रतिनिधी, जपाईगो के प्रतिनिधी व जिले के निजी चिकित्सालय के संचालक व उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहें। आईसीएमआर नई दिल्ली के द्वारा जिले में विभिन्न डवलपमेंट पार्टनर एजेंसीज के सहयोग से संकल्प प्रोजेक्ट के तहत् डूंगरपुर जिले में शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतर कार्य कर स्वास्थ्य

गतिविधियों को सुनियोजित करने के संबंध मे मंगलवार को जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर विस्तारपूवर्क चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलक्टर सिंह ने कहा कि हमारा फोकस विशेषकर नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर रहेगा। इसके लिए स्वास्थ्य सेवाएं को सुदृढ़ किया जाएं ।साथ ही नवजात शिशु व मां की सुरक्षा के लिए विषेष कार्य योजना बना कर कार्य किया जाएं । उन्होंने सभी चिकित्सालय के प्रभारी से अपील की कि जहां पर भी गेप आएं उनकी गहनता से पहचाना कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य करें। पूर्व में इस दिशा में किए गए प्रयासों एवं कार्य में जहां कमी रही है उसे दूर किया जाएं। उन्होंने कहा कि इस हेतु प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए समय -समय पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इससे कार्य मे रही कमियों को सुधारात्मक कार्यवाही दूर किया जा सकें। बैठक में मां-वाउचर योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला कलक्टर सिंह ने जिले में पंजीकृत सोनोग्राफी सेन्टर के प्रतिनिधियों को मां-वाउचर योजना के अंतर्गत सोनोग्राफी करवाने पर किसी भी प्रकार का शुल्क नही लेंने तथा पोर्टल पर डाटा अपलोड करने व गर्भवती महिला को भी सोनोग्राफी रिपोर्ट एवं फिल्म उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना अंतर्गत आने वाली गर्भवती महिलाओं के सोनोग्राफी हेतु प्राथमिकता के साथ व्यवस्था करने हेतु भी निर्देशित किया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा अलंकार गुप्ता सहित समस्त निजी चिकित्सालय के प्रबंधक, चिकित्सा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी गण मौजूद रहें।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादकः पवन माँगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय - गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400067 से अमुद्रित ऑनलाइन प्रकाशित । मो. नं.: + 91-95945-42679
e-mail:- padmavatmedia@gmail.com /Web:- padmavatmedia.in (नोटः पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) । सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा । उक्त ई-पेपर को अवैध रुप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।